हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 20 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 24 सितम्बर से 30 सितम्बर 2021

PM नरेंद्र मोदी 27 सितंबर को लॉन्च करेंगे नेशनल हेल्थ मिशन

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री डिजिटल स्वास्थ्य मिशन को लॉन्च करने की घोषणा करेंगे. पीएम-डीएचएम का लक्ष्य टेक्नोलॉजी के माध्यम से भारत में हेल्थ सर्विसेज में सुधार लाना है. हेल्थकेयर डाटा के बेहतर एक्सेस से यह संभव हो पाएगा. इसका उद्देश्य हेल्थ आईडी, डॉक्टरों और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए विशिष्ट पहचानकर्ता, पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड और टेलीमेडिसिन और ई-फामेर्सी के साथ एक एक नेशनल डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना है. इस स्कीम के तहत नेशनल डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम बनाया जाएगा. इसके लिए बहुत-सारे डेटा की जरूरत होगी.

अब सीबीआई करेगी नरेंद्र गिरि केस की जांच

■ केस हैंडओवर लेने प्रयागराज पहुंची 5 लोगों की टीम

नई दिल्ली: अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की मौत का केस सीबीआई को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. सीबीआई टीम के पांच सदस्य केस हैंडओवर लेने के लिए पुलिस लाइन पहुंच गए हैं. एसआईटी टीम और प्रयागराज पुलिस के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं. जल्द ही केस सीबीआई केस का हैंडओवर लेगी.उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले में संत समाज के आग्रह पर सीबीआई जांच की सिफारिश की थी. महंत नरेंद्र गिरि की मौत की घटना से संत समाज स्तब्ध है. जिसके बाद से ही उनकी ओर से इस मामले में उइक जांच की मांग की जा रही थी.मामले में बुधवार को मुख्य आरोपी आनंद गिरि को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. अब तक पुलिस ने महंत नरेंद्र गिरि के शिष्य आनंद गिरि और आद्या तिवारी को गिरफ्तार किया है. वहीं मंगलवार को प्रयागराज पुलिस ने इस मामले में एसआईटी का गठन भी किया था. जिसके बाद आज बुधवार को एसआईटी ने महंत नरेंद्र गिरि की सुरक्षा में तैनात चारों गनरों से भी गहन पूछताछ की.पुलिस को महंत नरेंद्र गिरि के शव के पास से एक सुसाइड नोट मिला था. नरेंद्र गिरि ने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि मैं दुखी होकर आत्महत्या करने जा रहा हूं. नोट में आगे लिखा था कि मेरी मौत की जिम्मेदारी आनंद गिरि, हनुमान मंदिर के पुजारी अद्या तिवारी और संदीप तिवारी की है.

सोनीपत में स्कूल की छत गिरने से बड़ा हादसा, 25 बच्चे गंभीर रूप से जख्मी

नई दिल्ली: हरियाणा के सोनीपत में बड़ा हादसा हुआ है. गन्नौर में एक स्कूल की छत गिरने से करीब 25 स्टूडेंट्स गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. दिल हदला देने वाली ये घटना सोनीपत के गांव बाय रोड पर मौजूद जीवानंद स्कूल में हुई है. करीब 25 स्टूडेंट्स को काफी चोटें आई हैं. जिनमें 5 स्टूडेंट्स की हालत गंभीर है. उन्हें इलाज के लिए रोहतक पीजीआई में रेफर कर दिया गया है.वहीं बाकी के स्टूडेंट्स का इलाज गन्नौर सामुदायिक हॉस्पिटल में चल रहा है. स्कूल की छत गिरने की वजह से 3 मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. हादसे की खबर मिलते ही गन्नौर पुलिस मौके पर पहुंच गई. पुलिस की टीम ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है.

जैसे ही स्कूल की छत गिरी, वैसे ही घायल बच्चों को तुरंत गन्नौर सामुदायिक केंद्र में भर्ती कराया गया. लेकिन 5 स्टूडेंट्स की हालत गंभीर होने की वजह से उन्हें रोहतक पीजीआई में रेफर कर दिया गयाबताया जा रहा है कि जीवानंद स्कूल की छत इतनी तेज गिरी कि आसपास के इलाके में आवाज गूंज गई.

ICON OPTICAL GALLERY

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA classes available
Session 5 days a week
Offline & Online
FREE TRIAL CLASS
C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.
YOGA BY ZAINAB
70213 01200

BJP नेता किरीट सोमैया ने ठाकरे सरकार और मुंबई पुलिस के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

मुंबईः बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस के खिलाफ नवघर मुलुंद पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. किरीट सोमैया का दावा है कि कोल्हापुर जाते समय पुलिस ने उन्हें महाराष्ट्र के सातारा जिले के कराड़ में रोक कर गैरकानूनी तरीके से हिरासत में ले लिया था. उन्होंने दावा किया था कि महाराष्ट्र के ग्रामीण विकास मंत्री हसन मुशरिफ के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद जिला अधिकारियों ने कानून व्यवस्था और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए उन्हें कराड़ में रोका था शिकायत दर्ज करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सोमैया ने कहा, ह्यमुंबई पुलिस ने मुझे गलत तरीके से हिरासत में लिया था, मुझे कोल्हापुर जाने से रोकने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया गया. गणेश विसर्जन के दिन मुझे अपने आवास से बाहर निकलने से रोक दिया गया था. इसके बाद मुझे रेलवे स्टेशन पर भी

रोका गया था. मैंने भारतीय दंड संहिता की धारा 149, 340, 341, 342 के तहत मुलुंद और एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशनों को कानूनी नोटिस दिया है. मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र सरकार को 24 घंटे के भीतर मुझसे माफी मांगनी पड़ेगीकिरीट सोमैया ने कहा कि सोमवार तड़के महाराष्ट्र के सतारा जिले के कराड़ रेलवे स्टेशन पर उन्हें हिरासत में लिया गया था. उनके 20 सितंबर को कोहलापुर जाने की उम्मीद थी और वो ट्रेन से वहां जा रहा थे. मुंबई पुलिस ने उन्हें कोल्हापुर के लिए ट्रेन में सवार होने से रोका था और उनके साथ धक्का-मुक्की भी हुई थी. सौमैया ने कहा, मेरी शिकायत के आधार पर, जांच भी शुरू हो गई है. ईडी ने मुझसे अतिरिक्त जानकारी मांगी है और मैं उन्हें वह जानकारी दूंगा. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 98 करोड़ रुपये फर्जी कम्पनियों के माध्यम से सर सेनापति संताजी घोरपड़े शुगर फैक्ट्री लिमिटेड जिसमें मुशरिफ के परिवार के सदस्य निदेशक हैं को हस्तांतरित किए गए थे. उन्होंने मुशरिफ पर घोटाला करने का आरोप लगाया.

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की बड़ी कार्रवाई! 25 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ मां-बेटी गिरफ्तार

मुंबईः महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की कार्रवाई में 4.95 किलो हेरोइन जब्त की हुई है. कस्टम विभाग के अनुसार ये नशीला पदार्थ मां-बेटी की एक जोड़ी जोहानिसबर्ग से लेकर भारत आई थी. पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामद हुई हेरोइन की इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 25 करोड़ रुपए बताई जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अब तक की बड़ी बरामदगी में से एक माना जा रहा है. कुछ दिन पहले ही डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस ने गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर लगभग 3000 किलो की हेरोइन जब्त की थी. दरअसल, मीडिया खबरों के मुताबिक कतर एयरलाइन्स में यात्रा कर रही मां-बेटी की यह

जोड़ी दोहा से सफर करते हुए जोहानिसबर्ग से मुंबई जा रही थी. सूत्रों के अनुसार ये दोनों मां- बेटी फेफड़ों के कैंसर के इलाज के नाम पर भारत आए थे. इस दौरान तस्करों ने हेरोइन को ट्रॉली बैग में छिपा रखा था. वहीं, कस्टम अधिकारियों के अनुसार आमतौर पर यात्री एक बार में दो किलो से ज्यादा ड्रग्स लेकर सफर नहीं करते हैं. मां-बेटी को ड्रग्स लाने के लिए मिले 5 हजार डॉलर पर ट्रिप गौरतलब है कि कस्टम अधिकारियों के मुताबिक दोनों तस्करों से की गई पूछताछ में पता चला है कि भारत में हेरोइन लाने के लिए 5 हजार डॉलर प्रति ट्रिप का वादा किया गया था. वहीं, दोनों आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश किया और कोर्ट ने आगामी 5 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. अधिकारी ने बताया है कि कस्टम अथॉरिटीज इन्हें प्राप्त करने वाले और भारत में ड्रग रैकेट में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए जांच-पड़ताल कर रहे हैं.. बता दें कि अभी हाल ही में ऊफक्र ने गुजरात के मुंद्रा एयरपोर्ट पर दो कंटेनर में से 2 हजार 922.22 किलो हेरोइन पकड़ी थी.

इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी भी हुई थी और कुछ अफगान नागरिकों की भी जांच-पड़ताल की जा रही थी. ऊफक्र को इस खेप के संबंध में खुफिया सूचना मिली थी. इसके बाद एजेंसी को शक हुआ कि सामान में ड्रग्स शामिल हैं, जिन्हें अफगानिस्तान से भेजा जा रहा है. एजेंसी ने दो कंटेनर्स को रोका और गांधीनगर स्थित फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के एक्सपर्ट्स की मौजूदगी में कंटेनर की तलाशी ली गई.

मानहानि के मामले में मुंबई हाई कोर्ट से राहुल गांधी को राहत

मुंबई। बांबे हाई कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि के एक मामले में उनके ही भाषण के लिप्यांतर को सबूत के तौर पर स्वीकार करने का अनुरोध ठुकरा दिया है। यह अनुरोध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक पदाधिकारी राजेश कुंटे की ओर से किया गया था। 2014 के अपने इस चुनावी भाषण में राहुल गांधी ने कथित तौर पर आरएसएस को महात्मा गांधी की हत्या के लिए दोषी ठहराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने यह भाषण महाराष्ट्र के भिवंडी में दिया था। इस भाषण के बाद ही राजेश कुंटे ने उनके खिलाफ मानहानि का आपराधिक मामला दर्ज कराया था। कुंटे के अनुसार, अपने इस भाषण में राहुल गांधी ने कहा था कि आरएसएस के लोगों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी। जबकि दिसंबर 2014 में राहुल गांधी ने अपने विरुद्ध दायर इस मामले को चुनौती देते हुए मुंबई उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी, जिसे उच्च न्यायालय ने 2015 में खारिज कर दी थी।

मुंबई हाई कोर्ट ने शिल्पा शेट्टी के बच्चों से संबंधित मीडिया रिपोर्ट पर जताई चिंता

मुंबईः मुंबई हाई कोर्ट ने कहा है कि वह राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद बालीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के बच्चों के संबंध में मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर चिंतित है। राज कुंद्रा की पत्नी शिल्पा शेट्टी की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस गौतम पटेल ने कहा, मुझे शिल्पा शेट्टी की चिंता नहीं है.. वह खुद को संभाल सकती हैं। मैं ज्यादा चिंतित उनके नाबालिग बच्चों को लेकर हूं। शिल्प शेट्टी की निजी जिंदगी और उनके बच्चों के संबंध में मीडिया रिपोर्ट चिंताजनक हैं..। अदालत शिल्पा शेट्टी द्वारा मानहानि कारक व आपत्तिजनक मीडिया रिपोर्ट्स को चुनौती देने वाली याचिका की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को करेगी। आइएएनएस के मुताबिक, पोर्न फिल्म मामले में गिरफ्तार किए गए कारोबारी राज कुंद्रा व उनके सहयोगी रेयान थोरपे को 60 दिनों बाद मुंबई की एक अदालत ने सोमवार को 50 हजार रुपये की प्रतिभूति पर जमानत प्रदान की। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की तरफ से 15 सितंबर को करीब 1500 पन्नों का पूरक आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद सत्र अदालत ने कुंद्रा व उनके सहयोगी रेयान थोरपे को जमानत प्रदान की है। पुलिस ने दोनों को 19 जुलाई को गिरफ्तार किया था। कुंद्रा व थोरपे ने जमानत अर्जी दाखिल करते हुए कहा था कि आरोप पत्र दाखिल किया जाना यह संकेत है कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है।

महाविकास आघाडी के मतभेद फिर सामने आए, शिवसेना नेता ने कहा- शरद पवार हमारे नेता नहीं

मुंबई। पूर्व सांसद और शिवसेना नेता अनंत गीते के एक बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान ला दिया है. शिवसेना के सीनियर लीडर अनंत गीते ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर सीधा हमला किया है. उन्होंने कहा है कि राकांपा का जन्म कांग्रेस की पीठ पर छुरा घोंपकर हुआ है. शिवसेना और कांग्रेस कभी भी एक नहीं हो सकती. शरद पवार कभी भी हमारे नेता नहीं हो सकते. हमारे नेता सिर्फ और सिर्फ शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे हैं. महाविकास आघाडी की सरकार सिर्फ सत्ता पाने के लिए जोड़ तोड़ कर किया गया गठबंधन है.अनंत गीते के इस बयान से एक बार फिर यह बात जो अंदर ही अंदर अक्सर उठती रही है, सतह पर आ गई है कि शिवसेना के अंदर एक बहुत बड़ा तबका एनसीपी और कांग्रेस के साथ सरकार बना कर खुश नहीं है. पहले भी प्रताप सरनाइक सहित कई नेताओं ने इस संबंध में आवाज उठाई है. इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अनंत गीते का बयान राज्य में महाविकास आघाडी के अंदर की वास्तविकता को दर्शाता है. शिवसेना का एनसीपी और कांग्रेस के साथ गठबंधन एक अननैचुरल अलायंस है, जो ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकता. बीजेपी नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा है कि शिवसैनिकों का अगर नार्को टेस्ट करवाया जाए तो एक ही आवाज आएगी कि कांग्रेस-एनसीपी के साथ आघाडी (गठबंधन) नहीं चाहिए. शिवसेना ने एनसीपी और कांग्रेस के साथ सरकार बना कर पॉलिटिकल सुसाइड किया है. सूरज पर थूकने से सूरज का कुछ नहीं बिगड़ता- एनसीपी का जवाब अनंत गीते के इस बयान का उत्तर देते हुए एनसीपी नेता सुनील तटकरे ने शरद पवार की ओर से कहा कि सूरज पर थूकने से सूरज का तेज कम नहीं होता. अनंत गीते की स्थिति समझी जा सकती है. वे फ्रस्टेशन में ऐसे बयान दे रहे हैं. स्थानीय स्तर पर और राज्य स्तर पर महाविकास आघाडी सरकार बेहतर तरीके से काम कर रही है. यह सरकार आसानी से पांच साल पूरे करेगी. हर तीन-चार दिनों में शिवसेना और एनसीपी के बीच ऐसा कुछ हो जाता है जो इस बात की ओर इशारा करता है कि महाविकास आघाडी सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है. पहले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने अलग जाने का सुर अलापा था. में खुल कर उद्धव ठाकरे की प्रशंसा की थी कि वे शिवसेना के साथ लंबी भागीदारी देख रहे हैं. यहां भी उन्होंने कांग्रेस को किनारे कर दिया था.

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने CM को मुंबई साकीनाका रेप मुद्दे पर पत्र लिखा

उद्धव ठाकरे ने ऐसा दिया जवाब कि देश भर में हुई चर्चा

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखा था. उस पत्र में उन्होंने मुंबई के साकीनाका में महिला के साथ बलात्कार और हत्या की घटना को आधार बनाकर महाराष्ट्र में 2 दिनों का विशेष विधानसभा सत्र बुलाने की बात कही थी. इसके अलावा उन्होंने इस बारे में चर्चा कर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचार पर सख्त कदम उठाने के लिए कहा था. मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के उस पत्र के जवाब में आज (मंगलवार, 21 सितंबर) एक पत्र लिखा है. पत्र में उद्धव ठाकरे ने गुजरात, उत्तर प्रदेश ,बिहार, उत्तराखंड और दिल्ली जैसे राज्यों में महिलाओं के साथ बलात्कार और हत्या की घटनाओं का जिक्र किया है. इन राज्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से अपील की है कि विधानसभा सत्र बुलाने की बजाए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (ढट ठंर्ल्लिश्ं टङ्क) और गृह मंत्री अमित शाह (ल्टट अ्रे३ रँ) को पत्र लिखें. उस पत्र में पीएम और गृहमंत्री से यह अपील करें कि इस राष्ट्रव्यापी समस्या का निवारण करने के लिए संसद का चार दिनों का विशेष सत्र बुलाया जाए. बेशक वहां पर साकीनाका मुद्दे पर भी चर्चा हो. यानी उद्धव ठाकरे ने राज्यपाल के पत्र को एक तरह से महाविकास आघाडी सरकार पर हुए हमले की तरह देखा है. मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को यह जवाब देने की कोशिश की है कि पहले वे देश के बाकी राज्यों के हालात देखें तब जाकर महाराष्ट्र के हालात की चिंता करें. महाविकास आघाडी सरकार से जुड़े नेताओं का तर्क है कि महिलाओं की सुरक्षा के मामले पर जिस तरह से राज्यपाल विशेष अधिवेशन बुलाने की बात कर रहे हैं,उस तर्क से तो उत्तर प्रदेश में रोज अधिवेशन बुलाना पड़ेगा.

ट्रेन में महिला के साथ छेड़खानी के दोषी को 2 साल सश्रम कारावास की सजा

मुंबईः महाराष्ट्र के ठाणे में रेलवे की एक अदालत ने साल 2013 में ट्रेन में महिला से छेड़खानी के दोषी 56 वर्षीय व्यक्ति को दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने कहा कि यदि ऐसे मामलों से गंभीरता से नहीं निपटा गया तो इससे ट्रेनों में अकेले सफर करने वाली महिलाओं की सुरक्षा और जीवन दोनों खतरे में पड़ जाएंगे. कल्याण स्थित रेलवे अदालत के न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) स्वयं एस चोपड़ा ने शनिवार को पारित अपने आदेश में दोषी को पीड़िता को 10,000 रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया. ऐसा नहीं करने पर उसे एक महीने के साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी. सहायक लोक अभियोजक जयश्री कोर्डे ने अदालत को बताया कि महिला तीन सितंबर, 2013 को नासिक में भुसावल-मुंबई यात्री ट्रेन के सामान्य कोच में सवार हुई और अकेले यात्रा करते हुए कुछ समय बाद एक सीट पर सो गई. बाद में जब ट्रेन खड़ीवली स्टेशन पर रुकी तो महिला को लगा कि कोई उसे छू रहा है और जब वह उठी तो उसने देखा कि आरोपी उसके पास खड़ा है और उसे घूर रहा है.महाराष्ट्रः ट्रेन में महिला के साथ छेड़खानी के दोषी को 2 साल सश्रम कारावास की सजा महिला ने शोर मचाया तो आरोपी ट्रेन से कूद गया, लेकिन कुछ लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया.

वसई में अनलॉक हो गया ड्रग्स का भी कारोबार, 16 किलो गांजा जब्त दो आरोपी गिरफ्तार

वसई : ऐसा लगता है कि लॉकडाउन के अनलॉक होते ही वसई विरार में ड्रग्स का कारोबार फिर बढ़ने लगा है। पिछले हफ्ते में वसई विरार पुलिस आयुत्तलय में गांजा तस्करी के दो बड़े मामले सामने आए हैं। गुरुवार को दहशत वाद विरोधीपथक के सहायक पुलिस निरीक्षक ललीत वरकड़े की टीम ने एक ट्रैप लगाकर 16 किलो से ज्यादा गांजा जब्त किया। इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अंतर्राज्यीय तस्करों का एक समूह बड़ी तादाद में गांजे की यह खेप एक वाहन में लेकर दादर से वसई पूर्व के इलाके में जा रहे है। वालीव क्राइम पुलिस निरीक्षक राहुलकुमार पाटील के नेतृव में सहायक पुलिस ललित वरकड़े,पुलिस नाईक स्वपनिल तोत्रे, शैलेष गावीत,मुकेश निकम,माने द्वारा टीम तैयार कर जयनगर फीडरल बैंक के पास दोपहर 12 बजे जाल बिछाकर आरोपियों को पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गये लोगों की पहचान सुबीतकुमार नायक 39 वर्षीय,सजन अतिराम नायक 26 वर्षीय के रूप में की गई। ये दो आरोपी उड़ीसा एवं गजपति के रहने वाले हैं। यह दोनों आरोपी उड़ीसा से महाराष्ट्र के लिए ट्रेन में बैठकर दादर आए।और टैक्सी में बैठकर वालीव क्षेत्र में पहुँचकर तस्करी करने की फिराक में थे। पुलिस इनके पास से 16 किलो गांजा,मोबाईल, कैस रकम,पर्स ट्रेवल बैग कुल आंकी 83 हजार 180 रुपये समान बरामद किया।वालीव पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 3 दिन की पुलिस रिमांड लिया है। पिछले सप्ताह एमबीवीवी मीरा भायंदर वसई विरार आयुत्तलय में विरार पुलिस अपराध टीम ने अपराध व नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 23 अगस्त रविवार की शाम गुप्त सूचना के आधार पर कारगिल क्षेत्र से 25 किग्रा गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।वालीव पुलिस ने 8 किलो 978 ग्राम की चरस बरामद की है। पकड़ी गई चरस की कीमत करीब 27 लाख है।

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

सीबीआइ की समस्या, केंद्र सरकार करे विसंगति को दूर

केंद्रीय जांच ब्यूरो को लेकर राज्यों और खासकर गैर भाजपा शासित राज्यों के रवैये पर केंद्र सरकार का असहाय महसूस करना स्वाभाविक है, लेकिन उसकी ओर से अपनी विवशता प्रकट करना समस्या का हल नहीं है। केंद्र सरकार को उन कारणों पर गौर करना होगा, जिनके चलते एक के बाद एक राज्य सरकारें सीबीआइ को अपने यहां के मामलों की जांच करने से रोक रही हैं। यह ठीक नहीं कि ऐसे राज्यों की संख्या बढ़ती जा रही है जो सीबीआइ को अपने यहां प्रवेश करने और किसी मामले की जांच करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। ज्यादातर राज्य सरकारें यह कहकर सीबीआइ को बिना अनुमति अपने यहां प्रवेश पर पाबंदी लगा रही हैं कि उसका दुरुपयोग भी होता है और राजनीतिक इस्तेमाल भी। आम तौर पर ऐसे आरोपों पर केंद्र सरकार का यह तर्क होता है कि सीबीआइ एक स्वायत्त जांच एजेंसी है और उसके काम में उसका कोई राजनीतिक दखल नहीं होता, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस जांच एजेंसी को सुप्रीम कोर्ट ने पिंजरे में बंद तोता करार दिया था। इसके अलावा यह भी एक तथ्य है कि अतीत मे इस एजेंसी के कामकाज में राजनीतिक दखल होता रहा है। कई बार तो यह दखल नजर भी आया है। इसके चलते सीबीआइ की प्रतिष्ठा पर आंच आई है और उसकी वैसी विश्वसनीयता नहीं कायम हो सकी जैसी होनी चाहिए विभिन्न मामलों की जांच में सीबीआइ का रिकार्ड भी कोई बहुत अच्छा नहीं है और शायद इसी कारण पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह उसके कामकाज की समीक्षा करेगा। पता नहीं ऐसा कब होगा और उससे हालात सुधरेंगे या नहीं। उचित यह होगा कि केंद्र सरकार यह महसूस करे कि एक बड़ी खामी सीबीआइ के गठन के तरीके में है। इस एजेंसी का गठन दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत एक प्रशासनिक आदेश से किया गया था। इस विसंगति को दूर किया जाना चाहिए। आखिर जब इस एजेंसी को वांछित संवैधानिक दर्जा ही हासिल नहीं है तो फिर उसे वास्तविक स्वायत्तता कैसे मिल सकती है। यह भी समझने की जरूरत है कि जिस प्रशासनिक आदेश के तहत सीबीआइ का गठन किया गया उसके प्रविधान ही राज्यों की सहमति को अनिवार्य बनाते हैं। राज्य अपने इस अधिकार का भी मनमाना इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी मामले में तो वे खुद ही सीबीआइ जांच की मांग करते हैं और किसी मामले में ऐसी मांग को ठुकराते हुए इस जांच एजेंसी को राजनीतिक हथियार बता देते हैं।

जब ऐसे थे महंत नरेंद्र गिरी तो आत्महत्या भला कैसे कर सकते हैं?

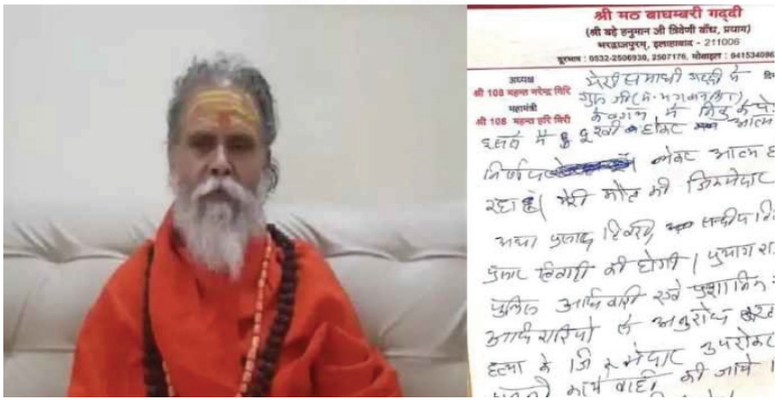

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी की आत्महत्या से चारों ओर शोक की लहर है. ज्यादातर लोगों के दिमाग में एक ही सवाल है कि एक ऐसा संत जिसने समाज के हर अधिकारों की चिंता की, मजबूती से वंचितों को समाज में ऊंचा दर्जा दिलाया. जो सदाचित गंभीर रहा, संतों और भक्तों को सही मार्ग दिखाता रहा, वो संत भला कैसे आत्महत्या कर सकता है? महंत नरेंद्र गिरी के कुछ फैसलों पर गौर करें तो आत्महत्या वाली बात गले से नीचे नहीं उतरेगी.किन्नरों को समाज में हमेशा से एक ओछी नजर से देखा जाता रहा है, नर हो या नारी किन्नरों से हमेशा दूर ही रहना चाहते हैं. ऊपर से बात तो तब और गहरी हो जाती है जब किन्नर संतों का एक दल अपने लिए मान्यता की मांग करता है, लेकिन हमेशा से उसे दरकिनार रखा जाता है. महंत नरेंद्र गिरी ने इस बात को सही नहीं समझा और किन्नर अखाड़े की मान्यता के लिए सभी अखाड़ों के सामने प्रस्ताव रख दिया. महंत नरेंद्र गिरी की महानता के आगे सबको झुकना पड़ा और किन्नर अखाड़े को 14वें अखाड़े के रूप में मान्यता दी गई.

महंत नरेंद्र गिरी समाज में ढोंग रचने वाले और संतों के नाम पर भक्तों से धन उगाही करने वाले फर्जी संतों और महात्माओं के घोर विरोधी थे. उन्होंने एक ऐसी लिस्ट जारी की थी जिसमें देशभर के फर्जी साधु-संतों का नाम था. हालांकि दूसरा पक्ष यानि जिन्हें महंत नरेंद्र गिरी फर्जी बताते थे वो अपने आप को पाक साफ धर्म संगत होने का दावा करता रहा, लेकिन सच्चाई तो ये है कि आज भी उन महात्माओं के पास करोड़ों और अरबों की संपत्ति हो गई, जिन्होंने अपने वंश को आर्थिक तौर पर और मजबूत किया. ऐसे में नरेंद्र गिरी का आरोप भी हमें एक बार सोचने के लिए मजबूर करता है.महंत नरेंद्र गिरी मानते थे कि एक संत भगवान और समाज के लिए होता है, जब कोई अपनी गृहस्थी छोड़कर संत बनता है तो उसी दिन उसका नाता उसके परिवार से टूट जाता है. इसी बात को ध्यान में रखकर और संतों पर समाज के भरोसे का मान रखते हुए नरेंद्र गिरी ने कई ऐसे संतों को अपने अखाड़े से बाहर कर दिया, जो संत तो बन गए थे लेकिन अपने परिवार की तरफ हमेशा उनका जुड़ाव रहता था. सोचिए तो कायदे से इसे कहते हैं असली संत जिसने इस बिरादरी की लाज रखी.महंत नरेंद्र गिरी मानते थे कि किसी को भी अगर कोई इंसान धोखा देता है तो वो समाज के किसी दर्जे में खड़े रहने लायक नहीं है. हम बात कर रहे हैं तीन तलाक की. नरेंद्र गिरी हमेशा से तीन तलाक के खिलाफ रहे. उनका मानना था कि किसी महिला की मर्जी के खिलाफ जाकर तलाक दे देना और उसे जायज ठहराना कतई सही नहीं है.

हर किसी के अधिकार और विचार को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है. महंत नरेंद्र गिरी धर्मांतरण के भी हमेशा खिलाफ रहे. वो कहते थे कि प्रभु ने इन्सानों की रचना की है, भगवान ने हर वर्ण को बांट रखा है, समाज को चलाने के लिए, पृथ्वी पर जीवन आसान करने के लिए ऐसा भगवान ने किया है. तो भगवान के अलावा किसी को कोई अधिकार नहीं कि धोखे से या दबाव बनाकर किसी भी मनुष्य का धर्म परिवर्तन कराया जाए.भगवान शिव का दुग्धाभिषेक, देवी देवताओं को चढ़ने वाले फूल पेड़ों से तोड़े जाने वाले पंच पल्लव का विरोध बहुतों को करते हुए देखा होगा, लेकिन जीव हत्या के खिलाफ खुलकर बोलने वाले बस कुछ ही लोग हैं, उन्हीं में से एक थे महंत नरेंद्र गिरी. उनका मानना था कि बकरीद या किसी भी त्यौहार पर जीव हत्या करना एक बड़ा पाप है, चाहे वो किसी जीव का किसी भी धर्म में क्यों ना हो. किसी भी हाल में एक जीव की हत्या नर्क से भी बदतर है.हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन हो या नासिक का महाकुंभ. धर्म के लिए हर जगह महंत नरेंद्र गिरी ने संतों, दूसरे अखाड़ों के संतों और भक्तों को हमेशा सही मार्ग दिखाया. लोगों से छलावा, धन उगाही से दूर रहने की सलाह दी. एक संत और एक भक्त होने का मतलब समझाया. कई अखाड़ों को आर्थिक मदद दिलवाई. ऐसे में एक सवाल उठ रहा है कि कई पड़ावों पर और कई तरह के विवादों में खुद को संतुलित रखने वाले महंत नरेंद्र गिरी भला कैसे आत्महत्या कर सकते हैं.नरेंद्र गिरी प्रयागराज की फूलपुर तहसील के उग्रसेनपुर के किसी गांव के रहने वाले थे. शुरू से ही उन्हें संतों से बड़ा लगाव था. गांव में जब कोई संत जाता था तो नरेंद्र गिरी उनके साथ अपना काफी समय बिताते और धर्म-संस्कृति के बारे में पूछा करते थे. धर्म से जुड़ाव की वजह से ही नरेंद्र गिरी युवावस्था में ही अपने गांव से निकलकर संतों की टोली में आ गए और एक संत के साथ राजस्थान पहुंचे. वहां पर वह एक अखाड़े में रहकर संतों की सेवा में जुट गए. राजस्थान में काफी समय बिताने के बाद वह वापस प्रयागराज आए और यहां पर निरंजनी अखाड़े से जुड़ गए.नरेंद्र गिरी ने प्रयागराज में मठों के उद्धार के लिए प्रयास शुरू कर दिए. बंधवा के हनुमान मंदिर और बाघम्बरी मठ के पूर्व संचालक के स्वर्गवास के बाद लगभग दो दशक पहले बाघम्बरी मठ की जिम्मेदारी नरेंद्र गिरी को मिली.

उन्होंने वैदिक शिक्षा और गोशाला के निर्माण के साथ-साथ संत समाज को जोड़कर सनातन धर्म और संस्कृति को आगे बढ़ाने का जिम्मा उठाया था.

संदिग्ध मौत के बाद का पहला वीडियो वायरल, फर्श पर पड़ा था पार्थिव शरीर और चल रहा था पंखा

प्रयागराजः अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध मौत की जांच सीबीआइ को सौंपे जाने के बाद ही एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि अल्लापुर में श्री मठ बाघम्बरी गद्दी के कमरे में महंत नरेन्द्र गिरि ने रस्सी के सहारे जिस पंखे पर लटककर फांसी लगाई थी, वह चल रहा था और महंत का पार्थिव शरीर फर्श पर पड़ा था। प्रयागराज में सोमवार को महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध मौत के बाद का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल है। कुल एक मिनट 45 सेकेंड के इस वीडियो को लेकर अब कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। वीडियो में महंत के कमरे में प्रयागराज रेंज के आइजी केपी सिंह और कुछ पुलिस अधिकारी भी दिख रहे हैं। इस वीडियो में दिख रहा है कि महंत नरेन्द्र गिरि का पार्थिव शरीर फर्श पर पड़ा है और वह पंखा भी चल रहा है, जिस पर उन्होंने कथित तौर पर लटकने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह वीडियो उस समय का है, जब पुलिस कमरे में पहुंची थी। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी मठ में मौजूद शिष्यों से पूछताछ कर रहे हैं।पुलिस जब कमरे में पुलिस पहुंची तो महंत नरेन्द्र गिरि का पार्थिव शरीर फर्श पर था। शरीर के पास ही उनके शिष्य बलबीर गिरि खड़े। बलबीर गिरि को ही महंत ने सुसाइड नोट में अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। वीडियो में आईजी प्रयागराज रेंज केपी सिंह भी दिखाई दे रहे हैं। वह मठ में मौजूद शिष्यों से पूछताछ कर रहे थे। उन्होंने चल रहे पंखे को लेकर भी सवाल किया। इस पर उन्होंने वहां खड़े सुमित से पूछा तो उसने कहा कि उसी ने पंखा चलाया था। केपी सिंह ने कहा कि तुम्हें पुलिस को सूचना देने के बाद शरीर को नीचे उतारना चाहिए था।इस वीडियो में पंखा चलता हुआ दिख रहा है। पंखे की रॉड में रस्सी का एक टुकड़ा फंसा है। पीले रंग की नायलॉन की रस्सी का हिस्सा फंसा हुआ नजर आ रहा है। इसी रस्सी से बनाए फंदे से महंत नरेन्द्र गिरि का शव लटका मिला था। महंत नरेन्द्र गिरि के गले में रस्सी का एक टुकड़ा फंसा दिखाई दे रहा है। वीडियो में रस्सी के तीन हिस्से दिखाई पड़ रहे हैं। रस्सी का एक हिस्सा पंखे में फंसा है। दूसरा हिस्सा महंत नरेन्द्र गिरि के गले में था और तीसरा हिस्सा कमरे में शीशे की मेज पर ही रखा था। गौरतलब है कि महंत नरेन्द्र गिरि का पार्थिव शरीर सोमवार को उनके मठ के कमरे में मिला था। इसके साथ ही एक सुसाइड नोट भी मिला था। उनकी मौत संदिग्ध होने के कारण बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद उनके पार्थिव शरीर को मठ प्रांगण में ही भू-समाधि दी गई। सुसाइड नोट में महंत नरेन्द्र गिरि ने मौत का जिम्मेदार शिष्यों आनंद गिरि, आद्या तिवारी व संदीप को बताया था। जिसके बाद पुलिस ने तीनों को गिफ्तार कर लिया है। अब इस मामले की जांच सीबीआइ को भी सौंपी गई है। सरकार ने इस मामले में पहले एसआईटी बनाई थी, लेकिन अब राज्य सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है।

गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ एवं धर्मेंद्र प्रधान, दिग्विजयनाथ की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान गुरुवार की सुबह गोरखपुर पहुंचे। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित महंत दिग्विजयनाथ के पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री दोपहर बाद तीन बजे सर्किट हाउस के पास विकसित दिग्विजयनाथ पार्क में स्थापित महंत दिग्विजयनाथ की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। एक घंटे तक इस कार्यक्रम में रहने के बाद केंद्रीय मंत्री लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर में रात्रि विश्राम करेंगे। सुबह एमपी पालिटेक्निक परिसर स्थित हेलीपैड पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर जाएंगे जबकि धर्मेंद्र प्रधान हेलीकाप्टर से सिद्धार्थनगर के लिए रवाना हो जाएंगे। वहां विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद वह अपराह्न 1.20 बजे गोरखपुर पहुंचेंगे। केंद्रीय मंत्री करीब एक घंटे 20 मिनट तक गोरखनाथ मंदिर में रहेंगे। 2:45 बजे मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री सड़क मार्ग से महंत दिग्विजयनाथ पार्क के लिए रवाना होंगे और तीन बजे पार्क में आयोजित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगेएक घंटे तक यहां महंत दिग्विजयनाथ की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में भाग लेंगे और उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। मुख्य मंच से ही महानगर के जनप्रिय विहार कालोनी में बनाए गए महंत दिग्विजयनाथ स्मृति द्वार का लोकार्पण एवं पार्क के सुंदरीकरण एवं अन्य कार्यों का शिलान्यास भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के हिन्दू सेवाश्रम में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन सकते हैं। उसके बाद वह महराजगंज जाएंगे और वहां महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल होंगे रामगढ़ताल के पास गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा विकसित किए गए महंत दिग्विजयनाथ पार्क में स्थापित महंत दिग्विजयनाथ की 12.5 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण की तैयारियां पूरी हो गई हैं।

राम को नहीं मानते जीतनराम, हिम्मत है तो अल्लाह पर बयान दें, पटना हाईकोर्ट के वकील ने दी चुनौती

पटना। भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाकर पूर्व मुख्यमंत्री और के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी विवादों में आ गए हैं। भाजपा समेत अन्य दलों ने उनके इस बयान की निंदा की है। श्रीमद्भगवदगीता आपके द्वार अभियान के संस्थापक व पटना हाईकोर्ट के वकील संजीव मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को चुनौती दी है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। मिश्र ने कहा है कि मांझी में हिम्मत है तो वह ऐसा बयान अल्लाह के बारे में दें। बकौल मिश्रा, मांझी का बयान विवेक से परे है। पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा श्रीराम को जीवित और महापुरुष व्यक्ति नहीं मानने पर संपूर्ण विश्व आश्चर्यचकित है। श्रीराम पर ऐसी ओछी टिप्पणी करके अपनी बुद्धि भ्रष्ट होने जाने का स्वतः प्रमाण मांझी ने दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी द्वारा भगवान श्रीराम को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा के कई मंत्रियों ने सवाल खड़ा किया है। पार्टी की ओर से भाजपा प्रदेश मुख्यालय में सहयोग कार्यक्रम के दौरान बुधवार को पत्रकारों के सवाल पर युवा एवं कला संस्कृति मंत्री आलोक रंजन झा ने कहा कि राम हम सबों के आराध्य एवं प्रेरणास्रोत हैं। बिहार के पाठ्यक्रम में राम के संदर्भ को शामिल किया जाए।

पटना में सिपाही के बेटे ने बिल्डर को डराने के लिए की थी फायरिंग, डेढ़ लाख में हुई थी डील

पटना। एसकेपुरी थाना क्षेत्र के उत्तरी आनंदपुरी में रियल स्टेट के कारोबारी राकेश कुमार सिंह उर्फ गुड्डू के घर के बाहर फायरिंग मामले में संलिप्त तीन अपराधियों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। तीनों की पहचान मूल रूप से रोहतास के फजलगंज निवासी प्रिंस पांडेय, पूर्वी चंपारण मोतिहारी निवासी रौशन कुमार और सहरसा के सौर बाजार निवासी अतुल कुमार के रूप में हुई है। प्रिंस पटना में एसकेपुरी स्थित वैष्णवी प्लाजा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 501 में और अतुल बुद्धा कालोनी में किराये के कमरे में रहता है। प्रिंस 12वीं का छात्र है।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

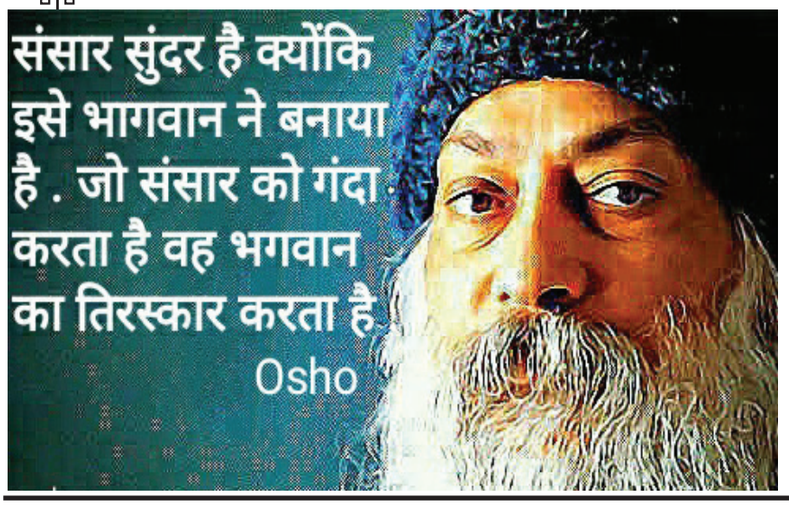

रुपया तो वेश्या है। उसका कोई समर्पण नहीं है। वह तो जिसके पास है उसके लिए समर्पित है। उसकी कोई आत्मा थोड़ी ही है। लेकिन समर्पित कर लिया किसी को, इससे भीतर एक भ्रांति पैदा होती है कि अद्वैत सध गया।

सौ मैं से निन्यानबे लोग इसी प्रेम में जीते और समाप्त हो जाते हैं--वस्तुओं का प्रेम यह सुविधापूर्ण भी है। क्योंकि रुपया, धन संपदा किसी तरह की कलह की स्थिति पैदा नहीं करते। तुम्हें उनसे लड़ना नहीं पड़ता। कोई संघर्ष नहीं है। बड़ी शांति है। तिजोड़ी चुप बैठी है। तुम जब आज्ञा दो, सक्रिय हो जाती है। ज्ञान न दो, शांत तुम्हारी प्रतीक्षा करती है। धन परिपूर्ण सेवक है। इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग धन पाने को ही प्रेम समझ लेते हैं।फिर धन में सुरक्षा है। किसी मित्र से प्रेम करो, पक्का नहीं है कि कल भी प्रेम करेगा। कल का कौन जानता है? क्षण भर में हवा बदल जाती है। मौसम बदल जाता है। क्षण भर पहले जो प्रेमपूर्ण था, क्षण भर बाद प्रेम से भर जाता है, अभी जो मित्र था, अभी शत्रु हो सकता है। इसलिए मित्र पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पत्नी का क्या भरोसा है? पति का क्या भरोसा है? आज है, कल न हों। प्रेम का भी भरोसा हो, मौत का क्या भरोसा? धन कभी नहीं मरता। **जारी....**

एप्पल साइडर विनेगर (सेब का सिरका) से बनाएं एंटी-डैंड्रफ हेयर मास्क

सेब का सरिका या एप्पल साइडर वनिगर हमारी सेहत के साथ-साथ हमारी स्कनि और बालों के लएि भी फायदेमंद होता है। सेब के सरिके से बाल मजबूत होते हैं, डैंड्रफ की समस्या दूर होती है, स्कैल्प में इंफेक्शन की समस्या भी दूर होती है, बालों में शाइन आती है और बालों की ग्रोथ भी होती है। सेब के सरिके को बालों पर लगाने के लिए आप उसका हेयर मास्क भी तैयार कर सकते हैं। हेयर मास्क की मदद से आप बालों से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। इस लेख में हम एप्पल साइडर वनिगर से एंटी-डैंड्रफ हेयर मास्क को बनाने का तरीका और फायदों पर चर्चा करेंगे। इस वषिय पर ज्यादा जानकारी के लिए हमने ओम स्किन क्लीनिक, लखनऊ के वरिष्ठ कंसलटेंट डमेटोलॉजस्टि डॉ देवेश मिश्रा से बात की। अगर आपको असंतुलति हार्मोन की समस्या है तो आपको एप्पल साइडर वनिगर से बना एंटी-डैंड्रफ मास्क लगाना चाहएि। अगर आपके बाल डैमेज हैं या फ्रिजी बाल हैं तो आपको एप्पल साइडर वनिगर से बना हेयर मास्क लगाना चाहएि। जनि लोगों के बाल ऑयली होते हैं वो भी एप्पल साइडर वनिगर से बना हेयर

मास्क लगा सकते हैं। चलएि जानते हैं हेयर मास्क बनाने का हेयर मास्क बनाने की सामग्रीः हेयर मास्क बनाने के लिए आपको एप्पल साइडर वनिगर, शहद, एलोवेरा जेल, नींबू की जरूरत होगी। एंटी-डैंड्रफ हेयर मास्क बनाने के लिए आप एक बाउल में एप्पल साइडर वनिगर लें। उसमें शहद और एलोवेरा जेल सामान मात्रा में मलिाएं। मश्रिण में नींबू का रस मलिाएं, सभी सामग्री को अच्छी तरह से मलिा लें। हेयर मास्क तैयार है आप इसे बालों पर लगा सकते एप्पल साइडर वनिगर से बने हेयर मास्क को लगाने से डैंड्रफ की समस्या दूर होती है।

बालों में फंगस के कारण डैंड्रफ की समस्या हो जाती है पर आप सेब के सरिके से स्कैल्प में मौजूद यीस्ट को कम करता है। यीस्ट के कारण स्कैल्प में खुजली और जलन की समस्या हो सकती है इसलिए आप ये मास्क लगाएं तो फायदेमंद होगा। सेब के सरिके में एंटी-बैक्टीरयिल और एंटी-फंगल गुण होते हैं और सेब के सरिके में मैलकि एसडि मौजूद होता है जसिसे स्कैल्प का पीएच बैलेंस मेनटेन रहता है। अगर आपका स्कैल्प गंदा रहता है.

खुद को फिट रखने और प्रेग्नेंसी के बाद वेट लॉस के लिए ये खाती हैं करीना कपूर

करीना कपूर खान अपनी एक्टिंग स्किल्स के साथ-साथ अपनी फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। कभी जीरो फिगर मेंटेन कर चुकीं करीना अपनी जिमिंग और योगा के लिए भी काफी पंक्चुअल हैं। सोशल मीडिया पर करीना अपना ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर कर सबकुछ शेयर करती हैं। कभी उबली हुईं शब्जियां कभी फ्रूट्स तो कभी सैनेक्स करीना काफी कुछ अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर फैन्स के लिए शेयर करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने छोटे बेटे जेह को जन्म दिया है और साथ ही शूटिंग पर भी वापस

लौट गईं हैं। करीना ने अपने फैन्स को हमेशा यहीं सलाह दी है कि फास्टिंग से कभी वेट घटाने की ना सोचे जब कभी भूख लगे जरूर खाएं। करीना की इंस्टा स्टोरीज देखकर भी यहीं लगता है कि वो डाइटिंग पर बिलीव नहीं करतीं हैं। तो आइए जानते हैं कि करीना को जब कुछ खाने का यानि स्नैकिंग करने का मन करता है तो वो क्या खाना पसंद करती हैं। उनका पसंदीदा स्नैक है मखाना। वो अक्सर उन्हें जब भी खाने के बाद भूख लगती है, वे मखाने खाना पसंद करती हैं। मखाने की खास बात यह है कि ये हल्के होते हैं और इनमें कैलोरी नाम-मात्र की होती है। मखाने में अधिक मात्रा में फाइबर होता है जिससे इन्हें खाने के बाद बहुत देर तक भूख नहीं लगती। और इस तरह आप असमय खाने से बच जाते हैं। बता दें कि इसे व्रत उपवास में भी खाया जाता है। मखाने में मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जिससे दिल की सेहत भी अच्छी रहती है।

इसे दिन के किसी भी समय लिया जा सकता है। ये ग्लूटेन फ्री होते हैं और इनमें एंटी एजिंग एंजाइम्स भी होती हैं। खरीना अपने साथ-साथ तैमूर की भी डाइट का पूरा ख्याल रखतीं हैं। सोशल मीडिया पर पिछले दिनों एक फोटो वायरल हुईं थीं जिसमें सैफ और तैमूर को लोगों ने योगा करते हुए देखा।

रोहित व हार्दिक अगर खेलते हैं तो मुंबई की प्लेइंग मे कौन-कौन हो सकता है आउट, आकाश चोपड़ा ने बताया

नई दिल्ली: आइपीएल 2021 के यूएई लेग के अपने पहले ही मैच में मुंबई इंडियंस टीम को चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। सीएसके के खिलाफ खेले गए इस अहम मुकाबले में मुंबई टीम के दो अहम खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन से बाहर थे। कप्तान रोहित शर्मा और टीम के तूफानी आलराउंडर हार्दिक पांड्या को खेलने का मौका नहीं मिला था। अब मुंबई का मुकाबला आज इयोन मोर्गन की कप्तानी वाली केकेआर से होना है। कोलकाता ने पिछले मैच में विराट कोहली की आरसीबी को 9 विकेट से बड़े अंतर से हराया था और ये टीम काफी उत्साहित होगी ऐसे में मुंबई को बेहद सावधानी के साथ खेलने की जरूरत होगी। इसमें कोई शक नहीं है कि मुंबई की टीम रोहित व हार्दिक के नहीं होने की वजह से सीएसके के सामने कुछ कमजोर दिखी थी खास तौर पर टीम की बल्लेबाजी पर दोनों के नहीं होने का असर साफ तौर पर पड़ा था। अब केकेआर के खिलाफ मुंबई की प्लेइंग इलेवन में अगर रोहित शर्मा व हार्दिक पांड्या की वापसी होती है तो दो खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन से बाहर होना पड़ेगा।

इनके इन होने के किन खिलाड़ियों को आउट होना पड़ सकता है इसके बारे में टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने बताया। आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगर रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाते हैं तो अनमोल प्रीत सिंह को अपनी जगह छोड़नी होगी। अनमोल ने पिछले मैच में मुंबई के लिए डिकाक के साथ ओपन किया था तो वहीं अगर टीम में हार्दिक पांड्या की वापसी होती है तो पिछले मैच में मुंबई के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले सौरव तिवारी को शायद बाहर होना पड़ सकता है। सौरव ने सीएसके के खिलाफ पिछले मैच में 50 रन बनाए थे और नाबाद रहे थे। वहीं आकाश चोपड़ा ने कहा कि मुंबई और केकेआर के बीच आज होने वाले मुकाबले में दोनों ही टीमें ओवरसीज खिलाड़ियों में शायद कोई बदलाव शायद नहीं करेंगे।

श्रेयस अय्यर ने खेली दमदार पारी कहा- संतुष्ट नहीं हूं, रिषभ पंत को कप्तान बनाए जाने के फैसले पर कही ये बात

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के दूसरे चरण में भी दिल्ली कैपिटल्स का जलवा बरकरार है।बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम ने 8 विकेट की दमदार जीत हासिल की। इस जीत में टीम के पूर्व कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्लेबाज से निकली 47 रन की पारी अहम रही। उन्होंने चोट के बाद वापसी करते हुए पहली ही पारी में शानदार खेल दिखाया। इस पारी के बाद उन्होंने रिषभ पंत की कप्तानी को लेकर भी बात की। अय्यर ने हैदराबाद के खिलाफ बुधवार को 41 गेंद पर 2 चौके और 2 छक्के की मदद से 47 रन की नाबाद पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 134 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में दिल्ली ने महज 2 विकेट के नुकसान पर 17.5 में जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया।

अय्यर ने कहा, देखिए, जब मुझे कप्तानी दी गई थी तब मेरे सोचने का तरीका कुछ और था। मेरे फैसले लेने की क्षमता और सोच बहुत ही अच्छी थी और इससे मुझे पिछले दो सालों में काफी मदद मिली है। कप्तानी में बदलाव करने का फैसला फ्रेंचाइजी टीम मैनेजमेंट का है, और जो भी फैसला उन्होंने लिया मैंने उसे स्वीकार कर लिया।

वेस्टइंडीज के सैमुअल्स पर भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली। दुनियाभर में इस वक्त टी20 और टी10 लीग की बहार सी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लीग के आयोजन किए जा रहे हैं जिसकी वजह से क्रिकेट में भष्ट्राचार के मामले भी बढ़ रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट को साफ करने की कोशिश में हर तरह की गतिविधि पर नजर बनाए रखती है। आइसीसी ने बुधवार को वेस्टइंडीज के पूर्व आलराउंडर मार्लोन सैमुअल्स पर एक टी-10 लीग के दौरान भ्रष्टाचार निरोधक संहिता की चार धाराओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया जिसमें आतिथ्य सेवाओं का रहस्योद्घाटन नहीं करना शामिल था। आइसीसी ने टी-10 लीग के आयोजक अमीरात क्रिकेट बोर्ड की ओर से आरोप लगाए। सैमुअल्स को आरोपों का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया जाएगा। इस दौरान उनको अपने जवाब से आइसीसी को संतुष्ट करना होगा।वेस्टइंडीज के लिए 71 टेस्ट, 207 वनडे और 67 टी-20 मैच खेल चुके सैमुअल्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11,134 रन बनाए हैं और 152 विकेट लिए हैं। उन्होंने नवंबर 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था.

KKR के खिलाफ कैसी होगी मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन, रोहित शर्मा के खेलने पर सवाल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें एडिशन के 34 वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम के साथ होना है। इस मैच में एक तरफ जहां मुंबई की टीम हार से उबरने के लिए उतरेगी तो वहीं कोलकाता जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। पिछले मैच में मुंबई की टीम कप्तान रोहित शर्मा के बिना उतरी थी लेकिन इस मैच में उनके खेलने की उम्मीद की जा रही है।चलिए जान लेते हैं कैसा हो सकता है मुंबई इंडियंस का प्लेइंग इलेवन आज के इस मुकाबले में। रोहित की वापसी हो सकती है लेकिन आलराउंडर हार्दिक पांड्या पर अब भी संशय बना हुआ है।पहले मैच

में आराम करने वाले रोहित टीम में वापसी कर सकते हैं। उनके साथ ओपनिंग में साउथ अफ्रीका धुरंधर क्विंटन डिकाक नजर आएंगे।मिडिल आर्डर में सूर्यकुमार यादव और इशान किशन होंगे जबकि पिछले मैच में अच्छी पारी खेलने वाले सौरव तिवारी भी नजर आ सकते हैं। ये तीनों ही खिलाड़ी पारी को संभालने के साथ बड़े हिट्स भी लगा सकते हैं।आलराउंडर के तौर पर टीम के पास कीरोन पोलार्ड और क्रुणाल पांड्या हैं। ये दोनों ही टीम को गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में योगदान करते हैं।मुंबई की गेंदबाजी में अनुभवी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट के साथ एडम मिल्ने होंगे। इन तीनों के साथ में होने से विरोधी टीम के रन पर लगाम लगाना आसान हो जाता है। पिछले कुछ सालों में अपने प्रदर्शन से सबसे राहुल चाहर ने नए खिलाड़ी से सीनियर तक का सफर तय किया है। मुंबई की टीम के लिए बतौर मुख्य स्पिनर वह कोलकाता के खिलाफ उतरेंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को राज्यपाल पद का सम्मान करना चाहिए : चंद्रकांत पाटिल

मुंबई। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मुद्दे पर महाराष्ट्र के राज्यपाल बी एस कोश्यारी और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बीच जारी पत्र युद्ध को लेकर राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को राज्यपाल के पद का सम्मान करना चाहिए। साकीनाका दुष्कर्म और हत्या की पृष्ठभूमि के खिलाफ राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए कोश्यारी द्वारा ठाकरे को एक पत्र लिखे जाने के कुछ दिनों बाद, सीएम ने सोमवार को पलटवार करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और उन पर बढ़ते हमलों के संबंध में राज्यपाल को केंद्र से मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का सत्र बुलाने का अनुरोध करना चाहिए।राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में, मुख्यमंत्री ठाकरे ने राज्यपाल कोश्यारी के गृह राज्य उत्तराखंड सहित भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े दिए। ठाकरे ने कहा कि राज्यपाल द्वारा इस तरह के ह्लनिर्देशह्व एक नया विवाद पैदा कर सकते हैं। ये लोकतांत्रिक संसदीय प्रक्रियाओं के लिए हानिकारक हैं। बुधवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पाटिल ने कहा, ह्यसीएम ठाकरे को राज्यपाल के संवैधानिक पद का सम्मान करना चाहिए। अगर वह दूसरे राज्यों पर उंगली उठा रहे हैं तो विशेष सत्र बुलाने का फैसला उन्हीं का होगा। उन्हें यहां की स्थिति को सुधारने पर ध्यान देना चाहिये। भाजपा के संजय उपाध्याय द्वारा अगले महीने होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद पाटिल पत्रकारों से बात कर रहे थेगौरतलब है कि इस महीने की शुरूआत में मुंबई के साकीनाका इलाके में सड़क किनारे खड़े एक टेंपो में 34 वर्षीय एक महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया था। 45 वर्षीय आरोपी ने पीड़िता के प्राइवेट पार्ट को रॉड से चोट पहुंचाने के बाद बेरहमी से उसकी पिटाई भी की थी जिसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई थी।

पोर्नोग्राफी केस: राज कुंद्रा से सीधे जुड़े प्रदीप बख्शी और यश ठाकुर के खिलाफ लुक-आउट नोटिस

मुंबई. मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने अश्लील फिल्म मामले में 2 फरार आरोपियों के खिलाफ लुक-आउट नोटिस जारी किया है. इस मामले में कारोबारी राज कुंद्रा कथित रूप से शामिल हैं. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यश ठाकुर उर्फ अरविंद श्रीवास्तव और प्रदीप बख्शी के खिलाफ रविवार को नोटिस जारी किया गया है. अधिकारी ने बताया कि प्रदीप बख्शी कथित तौर पर सीधे कुंद्रा से जुड़ा है, जबकि ठाकुर भी मामले में वांछित है.उन्होंने बताया कि मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर दिया गया है. कुंद्रा पर अश्लील फिल्मों का निर्माण करने और उन्हें हॉटशॉट्स ऐप के माध्यम से प्रसारित करने का आरोप है. राज कुंद्रा करीब दो महीने जेल में थे. बिताने के बाद सोमवार को जमानत पर रिहा हुए हैं. मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एस बी भाजीपाले ने 50 हजार रुपए के मुचलके पर कुंद्रा को 20 नवंबर को जमानत दे दी. कुंद्रा के सहयोगी और मामले में सह आरोपी रायन थोर्प को भी जमानत दे दी गई.ट,कुंद्रा के वकील ने बताया था कि व्यवसायी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में रखा गया है. मंगलवार को राज कुंद्रा को जेल से रिहा कर दिया गया.

परमबीर सिंह की बढ़ी मुश्किलें, राज्य सरकार ने एक और मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो को दी जांच की मंजूरी

मुंबई : मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ एक और मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एंटी करप्शन ब्यूरो को परमिशन दे दी है. पुलिस इंस्पेक्टर बीआर घाडगे ने अप्रैल महीने में परबीर सिंह पर FIR दर्ज कर आपराधिक साजिश रचने, सबूत मिटाने और एट्रोसिटी एक्ट के तहत आरोप लगाया था. इसके पहले गांव देवी पुलिस स्टेशन में कार्यरत रहे पुलिस इंस्पेक्टर अनूप डांगे ने आरोप लगाया था कि परमबीर ने डांगे के निलंबन के दौरान रिश्तेदार के जरिए बहाल करने के लिए 2 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी थी. वहीं अधिवक्ता शिशिर, चंडीवाल न्यायिक आयोग ने कहा है कि राज्य द्वारा नियुक्त चांदीवाल न्यायिक आयोग ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह को फिर से 6 अक्टूबर तक पेश होने के लिए बुलाया. उन्होंने कहा कि परम बीर सिंह पिछले महीनों में बार-बार समन के बावजूद, महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित चांदीवाल आयोग के समक्ष पेश नहीं हुए हैं महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने 17 करोड़ रुपए की आमदनी छुपाई है. देशमुख और उनके परिवार ने अनेक फर्जी कंपनियों में पैसों का लेनदेन किया.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net